रचनात्मक आकलन
वाणिज्य
कक्षा–9

रचनात्मक आकलन कक्षा शिक्षण के साथ–साथ चलने वाली प्रक्रिया है। यह सीखने के बाद नहीं, बल्कि सीखने के साथ ही किया जाता है। इसका उद्देश्य यह है कि विद्यार्थियों के सीखने के स्तर एवं पढ़ाई जाने वाली पाठ्यवस्तु की समझ का आकलन शिक्षण के दौरान ही किया जा सके, जिससे शिक्षक को अपनी शिक्षण तकनीक की प्रभावशीलता का फीडबैक प्राप्त हो सके तथा इसके आधार पर शिक्षक अपनी पाठ्य योजना में आवश्यक परिवर्तन कर सके। इस आकलन के आधार पर कमजोर विद्यार्थियों के लिए उपयुक्त उपचारात्मक शिक्षण की योजना बनाने में भी सहायता मिलती है। अतः इससे शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया को और बेहतर तथा कक्षा शिक्षण को रोचक बनाया जा सकता है।

रचनात्मक आकलन से विद्यार्थियों की शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में सहभागिता बढ़ती है, जिससे सीखना और अधिक आनन्ददायक हो जाता है।

रचनात्मक आकलन कैसे करें?

विद्यार्थियों ने पढ़ाई जाने वाली पाठ्यवस्तु को ठीक प्रकार समझा है कि नहीं, यह ज्ञात करने के लिए शिक्षकों द्वारा विभिन्न उपायों का प्रयोग किया जाता है जैसे प्रश्न पूछना, कुछ लिखित कार्य करवाना, उन से कुछ बनवाना, कुछ गतिविधि करवाना इत्यादि। इन्हें ही रचनात्मक आकलन के टूल्स एवं टेक्नीक्स (उपकरण एवं तकनीक) कहा जाता है।

शिक्षक विषय की आवश्यकता, संसाधनों एवं समय की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए अपनी रचनात्मकता के आधार पर स्वयं उपयुक्त टूल्स एवं टेक्नीक्स का निर्माण एवं प्रयोग कर सकते हैं। नीचे दिये गये अध्यायवार सुझावों को व्यावहारिकता के आधार पर शिक्षकों द्वारा प्रयोग किया जा सकता है।

रचनात्मक आकलन हेतु टूल्स एवं टेक्नीक्स –

क्रम	अध्याय	गतिविधियाँ
1	दोहरा लेखा प्रणाली के तालिका सिद्धान्त व व्यवहार	- लेखांकन, पुस्तपालन के अर्थ को व्यवहारिक स्थिति से जोड़कर प्रस्तुतीकरण द्वारा अवलोकन। - व्यवहार में दुकानों व व्यापार की कार्य प्रणाली के द्वारा प्रस्तुतीकरण। - डेबिट व क्रेडिट को उदाहरण सहित प्रस्तुतीकरण । - प्रोजेक्ट कार्य। - समूह चर्चा द्वारा व्यक्तिगत विचार प्रस्तुत करना। - MCQ's/ Quiz Organize

2	प्रारम्भिक लेखे की पुस्तकें रोजनामचा	- प्रोजेक्ट कार्य - खातों का वर्गीकरण तथा पारम्परिक पद्धति के ज्ञान का श्यामपट्ट पर या चार्ट बनवाकर प्रस्तुतीकरण ।
3	प्रारम्भिक लेखे की पुस्तकें, खतौनी तथा तलपट	- नियमों को चार्ट द्वारा प्रस्तुतीकरण - प्रोजेक्ट कार्य - व्यवहारिक पुस्तकों का अवलोकन
4	व्यापारिक कार्यालय का संगठन, कार्य प्रणाली /आने जाने वाले पत्रों का लेखा	- काल्पनिक सोच विचार द्वारा समूह चर्चा - अभिनव सोच व विचार का अवलोकन - प्रोजेक्ट कार्य
5	पूछताछ सम्बन्धी पत्र व्यवहार	- पत्र लेखन द्वारा सीधी व स्पष्ट बात या विचार चित्रित करवाना या लिखवाना। - पत्र लेखन प्रोजेक्ट कार्य ।
6	मुद्रा इतिहास, परिभाषा व कार्य	- सहयोग की भावना द्वारा बार्टर सिस्टम पर चर्चा - मुद्रा की आवश्यकता व कार्यों पर समूह चर्चा -
7	अर्थशास्त्र की परिभाषा व क्षेत्र	- दृश्य प्रतिनिधित्व द्वारा अर्थशास्त्र पर परिचर्चा - सामूहिक कार्य द्वारा नेतृत्व की भावना व गुण विकसित करवाना। - उचित प्रबन्धन का गुण विकसित करवाना, सामूहिक कार्य या प्रोजेक्ट द्वारा।
8	अर्थशास्त्र सम्बन्धित शब्दावली–उपयोगिता, धन, कीमत, मूल्य	- समूह चर्चा - प्रोजेक्ट कार्य।

रचनात्मक आकलन का रिकार्ड

रचनात्मक आकलन का रिकॉर्ड रखने के लिए शिक्षकों द्वारा प्रदत्त अंकों या ग्रेड का विद्यार्थियों के परीक्षाफल अथवा प्रगति पत्र में कोई उल्लेख नहीं किया जाना है। यह अंक मात्र शिक्षक को विद्यार्थियों के प्रदर्शन के सम्बन्ध में फीडबैक प्रदान करने, रिकॉर्ड रखने तथा शिक्षण–अधिगम को और प्रभावी बनाने के लिए है।

विद्यार्थियों में दक्षताओं का मापन एवं उन्हें सुरक्षित रखना आवश्यक है जिससे उनके आगे के विकास के लिए आंकड़ें मिल जायें या उनके विकास की गणना व अवलोकन किया जा सके। इस हेतु रिकार्ड निम्न Format (प्रारूप) में रखा जा सकता है–

प्रारूप – उदाहरण सहित –

दिनांक –

क्रियाकलाप का नाम – पुस्तपालन व लेखाकर्म प्रोजेक्ट पर प्रस्तुति।

कौशल – पुस्तपालन व लेखाकर्म का व्यावहारिक ज्ञान।

पाठ – पुस्तपालन व लेखाकर्म।

क्रम संख्या	छात्र/छात्रा का नाम	प्राप्तांक	टिप्पणी
1–	**A B C**	8	साफ सुथरा कार्य
2–	**X Y Z**	9	दक्ष एवं उचित ज्ञान
3–	**PQR**	3	व्यावहारिक ज्ञान की कमी
4–	**MNO**	4	व्यावहारिक ज्ञान की कमी